



पड़ोसन भाभी से मिली निगाहें तो

“Xxx पड़ोसी सेक्स रिलेशन की कहानी में मैंने छत से पड़ोसन भाभी को देखा, हमारी नजर मिली तो मैं मुस्कुरा दिया. भाभी भी मुस्कुरा दी. बस मैंने सोच लिया कि यह भाभी चुद के रहेगी. ...”

Story By: अभिषेक वर्मा 8 (av8)

Posted: Thursday, May 30th, 2024

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [पड़ोसन भाभी से मिली निगाहें तो](#)

पड़ोसन भाभी से मिली निगाहें तो

Xxx पड़ोसी सेक्स रिलेशन की कहानी में मैंने छत से पड़ोसन भाभी को देखा, हमारी नजर मिली तो मैं मुस्करा दिया. भाभी भी मुस्करा दी. बस मैंने सोच लिया कि यह भाभी चुद के रहेगी.

दोस्तो, मेरा नाम तरुण है और मैं बोकारो में रहकर पढ़ाई करता हूँ।
मेरा कद 5 फीट 11 इंच है, दिखने में भी मैं काफी स्मार्ट हूँ। मेरे लन्ड का साइज़ बड़ा है।

मेरे कॉलेज की बहुत सी लड़कियाँ मुझसे दोस्ती करना चाहती हैं पर मुझे उनमें कोई इंटरेस्ट नहीं है क्योंकि मुझे भाभियों और आन्टियों में ज्यादा दिलचस्पी है।

एक बार मैं अपनी छत पर टहल रहा था तो मेरे फ्लैट के ठीक सामने वाली फ्लैट की छत पर एक खूबसूरत भाभी कपड़े सुखा रही थी।

वे बार बार मुझे तिरछी निगाहों से घूरे जा रही थी.

मैंने भी उन्हें एक प्यारी सी स्माइल पास कर दी।

वे कुछ देर बाद नीचे चली गयी।

मैं भी नीचे आ गया और काफी देर तक भाभी के बारे में सोचता रहा।

Xxx पड़ोसी सेक्स रिलेशन की कहानी बन जायेगी, यह विचार मेरे मन में बैठ गया था.

उनके बदन का माप 34-32-38 रहा होगा।

भाभी के बारे में सोचते हुए मेरा लन्ड कड़क हो गया पर उसमें से वीर्य की 4-5 बूंदें मेरे अंडरवियर में गिर गयी।

मैंने तय कर लिया कि भाभी की चूत तो मैं लेकर ही रहूंगा।

एक दिन सुबह मैं कॉलेज जाने के लिए घर से जैसे ही निकल रहा तो मैंने देखा वही भाभी सामने से आ रही थी.

शायद वे मार्केट से आ रही थी क्योंकि उनके हाथों में काफी सारा सामान था।

मैंने उनको हाथ कहा तो उन्होंने भी मुझे एक प्यारी सी स्माइल दी।

अब मैंने उनसे कुछ मदद के लिए पूछा तो उन्होंने एक सब्जियों का थैला पकड़ने के लिए बोला।

हम दोनों बातें करते हुए आगे चलने लगे।

उन्होंने अपना नाम पाखी बताया।

उनके पति काम के सिलसिले में ज्यादातर बाहर ही रहते थे और कभी-कभार ही आते थे।

मैंने उनको घर तक छोड़ा और कॉलेज के लिए जाने लगा.

तो उन्होंने कहा- पहली बार घर आये हो, चाय तो पीकर जाओ।

मैंने कहा- अभी नहीं भाभी! फिर कभी! अभी मैं लेट हो रहा हूँ।

उन्होंने कहा- ठीक है ... पर शाम को जरूर आना।

मैंने कहा- ठीक हैं भाभी!

फिर मैं कॉलेज आ गया।

आज का दिन मुझे अपनी ज़िन्दगी का सबसे लम्बा दिन लग रहा था।

जैसे-तैसे शाम हुई.

मैंने कॉलेज से आते समय कंडोम ले लिये। मैंने सोच लिया था कि आज चाहे कुछ भी हो जाये भाभी की चूत मार के ही रहूँगा।

शाम के 7 बजे होंगे, मैंने उनके दरवाज़े पर दस्तक दी।

उन्होंने अंदर से ही पूछा- कौन है ?

मैंने कहा- भाभी, मैं तरुण !

उन्होंने कहा- अभी आती हूँ।

थोड़ी देर में भाभी ने जैसे ही दरवाज़ा खोला तो मैं उन्हें देखता ही रह गया।

उन्होंने गुलाबी नेट वाली साड़ी और पिंक हाफ स्लीव्स ब्लाउज पहन रखा था।

ब्लाउज में से उनकी बगल के छोटे छोटे बाल दिख रहे थे।

मुझे यूँ घूरते देख उन्होंने कहा- क्या हुआ ?

मैंने कहा- कुछ नहीं.

और फिर हम अंदर चले गए।

उनका घर काफी बड़ा था।

उन्होंने मुझसे कहा- मैं अभी चाय बना कर लाती हूँ!

और वे अपनी गांड मटकाते हुए रसोई में चली गयी।

थोड़ी देर बाद उन्होंने मुझे आवाज़ दी.

मैं तुरंत रसोई में गया.

मैंने पूछा- क्या हुआ भाभी ?

उन्होंने कहा- मैं जब तक खाना बनाती हूँ, तुम यहीं बैठ कर चाय पीओ। मेरा मन लगा

रहेगा और तुम भी अकेले बोर नहीं होओगे।

मैं स्लैब पर बैठकर चाय पीने लगा।

उन्होंने मुझसे पूछा- तुम्हारी कितनी गर्लफ्रेंड हैं ?

मैंने कहा- एक भी नहीं ।

उन्होंने कहा- तुम जैसे स्मार्ट लड़के की एक भी गर्लफ्रेंड नहीं है, यकीन नहीं होता ।

मैंने कहा- सच में नहीं हैं । क्या आप मेरी गर्लफ्रेंड बनोगी ?

तो वे मुझे देखने लगी और बोली- हाँ ! क्यों नहीं ?

यह सुनते ही मैंने उन्हें गले से लगा लिया ।

उनके बदन से एक अलग ही महक आ रही थी जिसने मुझे पागल कर दिया.

मैंने अपने होंठों को उनके होंठों से लगा दिया और उनके रस को पीने लगा.

ब्लाउज के ऊपर से ही उनके बड़े बड़े बूब्स दबाने लगा.

वे मुझसे कहने लगी- अभी नहीं ... बाद में ! अभी मुझे खाना तो बना लेने दो ।

मैंने कहा- अब और इन्तजार नहीं हो रहा है भाभी !

उन्होंने कहा कि मैं उन्हें भाभी नहीं पाखी बुलाऊं ।

मैंने कहा- ठीक है. पर अभी बेडरूम में चलते हैं ।

वे बोली- तुम नहीं मानोगे, चलो !

बेडरूम में आते ही मैं उन पर टूट पड़ा ।

वे बोली- आराम से करो. मैं कहीं भागे थोड़े जा रही हूँ. अभी पूरी रात है हमारे पास !

मैंने उनका ब्लाउज उतार दिया.

पाखी ने नीचे लाल ब्रा पहनी हुई थी.

मैं ब्रा के ऊपर से ही उसके बूब्स दबाने लगा.

वे जोर-जोर से आअअ ... उउउउ ... ईईईई की आवाजें निकाल रही थी।

अब मैंने उनकी ब्रा को उसके शरीर से अलग कर दिया और मस्ती में उनके पूरे बदन को चाटने लगा।

मैं उनकी बगल के बालों को चाट रहा था.

वे मेरे इस तरह चाटने से पागलों की तरह बड़बड़ा रही थी।

उन्होंने भी एक हाथ से मेरे पैंट की जिप खोल दी.

और जैसे ही उसने मेरे लंड को अपने हाथ में लिया तो बोली- ओ माय गॉड ! इतना लंबा और इतना मोटा लन्ड मैंने कभी नहीं देखा। मेरे पति का लंड तो इसका आधा भी नहीं है।

मैंने कहा- पाखी डार्लिंग ! अब यह तुम्हारा है. इसे जी भर के प्यार करो.

इतना सुनते ही वे उस पर टूट पड़ी और अपने मुँह में लेकर चाटने लगी।

मेरा लन्ड उसके मुँह में नहीं आ रहा था तो मैं उसके बालों को पकड़ के झटके देने लगा।

लगभग 15 मिनट तक वे मेरे लन्ड को पीती रही.

तभी मेरे लंड ने अपना लावा उसके मुँह में छोड़ दिया जिसे वे पी गयी।

अब मैंने उनको बेड पर लिटा दिया और उनके पेटिकोट को उतार दिया।

उन्होंने नीचे काली नेट वाली पैंटी पहनी हुई थी जिसमें से उसकी छोटी-छोटी झाटें साफ़ दिखाई दे रही थी.

मैंने देर न करते हुए उनकी पैंटी को फाड़ दिया और उनकी चूत को चाटने लगा.

उनकी चूत में से लिसलिसा सा पानी निकल रहा था जिसे मैं पिये जा रहा था।

वे बोली- अब मुझसे रहा नहीं जा रहा है. अब डाल भी दो अपना लण्ड और बना दो मेरी

चूत को अपने लंड की दीवानी !

मैंने अपने लंड को जैसे ही उसकी चूत पर टिकाया, वे छटपटाने लगी.

तब मैंने धीरे से अपने लंड को उसकी चूत पर सेट करके जैसे ही पहला झटका लगाया, वे दर्द के मारे चीखने लगी ।

मैंने लंड को बाहर निकाला तो वे बोली- तुम्हारा लंड बहुत बड़ा है, थोड़ा धीरे से अंदर डालो ।

तो मैंने कहा- ठीक है ।

अब मैंने अपने लंड को धीरे से उसकी चूत में डाल दिया और फिर धीरे-धीरे झटके मारने लगा.

थोड़ी देर में मैंने अपनी स्पीड बढ़ा दी.

अब पाखी भी अपनी गांड को उठा कर मेरा साथ दे रही थी ।

वे अपने मुँह से मादक किस्म की आवाजें निकाल रही थी- आआआ आआ ... ईईईई ईई ... उउउउ ... मर गई ! ओओह ओओ ... और जोर से ... मेरे राजा ! हहह ... फाड़ डालो मेरी चूत को ऊऊ ओऊऊऊ !

थोड़ी देर में वे झड़ गयी ।

लेकिन मैं अभी भी धक्के लगाये जा रहा था.

वे निढाल होकर बेड पर पड़ी हुई थी ।

थोड़ी देर में मैंने पाखी से कहा- जान, मैं आने वाला हूँ.

तो उन्होंने कहा- मेरी चूत में ही डाल दो. मैं तुम्हारे लण्ड के पानी को अपनी चूत में

महसूस करना चाहती हूँ।

थोड़ी देर बाद मैंने अपने लण्ड का पानी उनकी चूत में छोड़ दिया और उनकी बगल में लेट गया।

उन्होंने अपनी ब्रा से मेरे लण्ड को साफ़ किया और नंगी ही खाना बनाने चली गयी।

लगभग 15 मिनट बाद मैं भी रसोई में चला गया और उनके पीछे जाकर खड़ा हो गया।

उन्होंने मुझे देखा तो कहने लगी- क्या ? कुछ चाहिए ?

मैंने उनकी गांड की तरफ इशारा किया तो वे मना करने लगी।

तब मैंने कहा- आप अपना काम करती रहो, मैं अपने आप ले लूँगा।

वे बोली- तुम बड़े बदमाश हो. मानोगे नहीं. ठीक है, कर लो !

मैंने उनके गाल पर एक किस ली और कहा- आप कितनी अच्छी हो भाभी !

मेरा लण्ड अभी सोया हुआ था तो मैंने कहा- भाभी, पहले इसे खड़ा तो कर दो.

उन्होंने मेरे लंड को अपने हाथ में ले के ऊपर नीचे करना शुरू कर दिया और मेरे लंड के सुपारे को मुँह में लेकर चूसने लगी।

थोड़ी ही देर में ही मेरा लण्ड खड़ा होकर लहराने लगा।

मैंने अपनी जेब से कंडोम का पैकेट निकाला और उन्हें दे दिया.

तो वे मुझसे पूछने लगी- यह तुम्हारे पास कहाँ से आया ?

मैंने कहा- मैं अपनी पैंट की जेब में कंडोम हमेशा रखता हूँ क्योंकि चूत और भूत का कोई पता नहीं जाने कब मिल जायें !

तो वे बोली- तुम तो बहुत स्मार्ट हो ।

उन्होंने कंडोम को मेरे लौड़े पर सेट किया और फिर से अपने मुँह में लेकर चूसने लगी जिससे मेरा लण्ड और कड़क हो गया ।

मैंने कहा- अब आप अपना काम कर लो.

वे खाना बनाने लगी ।

मैंने पीछे से अपना लम्बा लण्ड उनकी गद्देदार गांड में डाला तो वे चिल्लाने लगी- अरर ... उफ ... निकालो इसको ! मुझे नहीं करवाना ये सब ! बहुत दर्द होता है ।

मैंने कहा- कोई बात नहीं ... अबकी बार मैं बड़े आराम से डालूँगा ।

मेरे बार बार मनाने पर वे मान गयी ।

अबकी बार मैं कोई रिस्क नहीं लेना चाहता था तो मैंने स्लैब पे उन्हें लिटा दिया और वहीं पास में रखा हुआ सरसो का तेल लेकर उनकी गांड में लगाया जिससे उनकी गांड चिकनी हो गयी ।

फिर मैंने अपना लण्ड भाभी की चिकनी गांड में डाल दिया और धक्के पे धक्के लगाने लगा. मैंने उनकी एक टांग उठा के अपने कंधे पे रख ली ।

पूरी रसोई में से धपाधप की आवाज़ आ रही थी ।

भाभी भी अपनी अपनी गांड चुदाई का पूरा मज़ा ले रही थी ।

उनका 'ऊऊऊ आआआ आई ईईईई ... चोद दो मेरी गाँड ! आआआ आआ मेरे राजा !! तुम

तो कमाल की गांड मारते हो ! ये कहना मेरा जोश और बढ़ा रहा था ।
थोड़ी देर में मैंने अपना लण्ड निकाला और उनके हाथों में दे दिया.

उन्होंने पहले कंडोम उतारा और लण्ड को मुँह में लेकर पीने लगी ।

कुछ देर में मेरे लण्ड ने सारा लावा उनके मुँह में ही छोड़ दिया जिसे वे सफाचट कर गयी ।

Xxx पड़ोसी सेक्स रिलेशन के बाद में हम दोनों एक साथ नहाये और फिर खाना खाया ।

पूरी रात मैंने उनकी इतनी चुदाई की कि इतना तो उनके पति ने उन्हें 6 साल में नहीं चोदा था ।

सुबह उनकी हालत चलने के लायक भी नहीं थी ।

अब उनका पति जब कभी लंबे दूर पर होता तो मैं और पाखी पति-पत्नी की तरह रहते थे.
मैं उनकी मनचाहे तरीके से चूत मारता था और वे भी मुझे मना नहीं करती थी ।

आपको यह Xxx पड़ोसी सेक्स रिलेशन की कहानी कैसी लगी ?

मुझे जरूर बतायें.

धन्यवाद.

av8381830@gmail.com

Other stories you may be interested in

मम्मी पापा की चुदाई देखी

हॉट मॉम डैड Xxx फक कहानी में मैंने अपनी मम्मी और पापा की जोरदार चुदाई देखी लाइव ! मेरी मम्मी भी खुल कर अपनी चूत चुदवा रही थी. इस दृश्य से मैं भी अपनी चूत में उंगली करने लगी. यह कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

मालकिन की जवान बेटा ने ड्राइवर से चूत चुदवाई

रिच गर्ल सेक्स लाइफ स्टोरी में मैं एक ड्राइवर हूँ, फॅमिली कार चलाता हूँ. एक दिन मालिक की बड़ी बेटा मुझे फार्म हाउस ले गयी जहां उन्होंने सेक्स पार्टी रखी हुई थी। वहां क्या हुआ ? नमस्कार, मेरा नाम सन्नी है।

[...]

[Full Story >>>](#)

मेरी दास्तान ए सुहागरात

हॉट वर्जिन Xxx फक स्टोरी में मैंने अपनी सुहागरात के सेक्स का वर्णन किया है. मैं इतना भाग्यशाली हूँ कि मुझे अनछुई दुलहन मिली थी. नमस्कार मित्रो, मैं मनीष उम्र 37 वर्ष अन्तर्वासना का बहुत पुराना पाठक हूँ. इस साइट [...]

[Full Story >>>](#)

अनजान हसीना की चूत गांड मारी ट्रेन में

रोड गर्ल की चुदाई का मौका मुझे तब मिला जब मैं कहीं बाहर गया हुआ था. रात को आइसक्रीम खाने निकला तो एक लड़की से मुलाकात हो गयी. वह लड़की मुझसे कैसे चुद गयी ? नमस्कार मित्रो, मेरा नाम दिनेश है. [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त को दी सेक्स की दावत- 2

लव प्यार सेक्स कहानी में पति को पता है कि उसकी पत्नी उसी के दोस्त से शादी से पहले से प्यार करती है. तो पति ने अपने सामने अपनी पत्नी को अपने दोस्त के हवाले कर दिया. कहानी के पहले [...]

[Full Story >>>](#)

